नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

'चीता स्टेट' : पर्यटन का नया स्वर्ण अध्याय

गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस के अवसर पर जब पूरा विश्व वन्यजीव संरक्षण की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहरा रहा था, वहीं भारत का मध्य प्रदेश इस सफलता का असली नायक बनकर उभर रहा है. 'प्रोजेक्ट चीता' की अभूतपूर्व उपलब्धियों ने न केवल विलुप्तप्राय प्रजाति को भारत में पुनर्जीवित किया, बल्कि मध्य प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक नए, अनोखे अंदाज़ में स्थापित किया है. यह केवल संरक्षण का अध्याय नहीं, बल्कि पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय छवि, तीनों क्षेत्रों को एक साथ आगे बढ़ाने वाली ऐतिहासिक पहल है.

कभी अपेक्षाकृत कम चर्चित कूनो नेशनल पार्क आज दुनिया भर के वन्यजीव प्रेमियों का गंतव्य बन गया है. नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों की सफल पुनर्स्थापना ने कूनो को अंतरराष्ट्रीय आकर्षण का केंद्र बना दिया है. कुल 32 चीतों की मौजूदगी और कई बार हुए शावकों के जन्म ने यह संदेश दिया है कि भारत वन्यजीव पुनर्जीवन की वैश्विक प्रयोगशाला बन चुका है. हालांकि यह कहानी सिर्फ चीतों की नहीं, यह पर्यटन की संभावनाओं से चमकते 'नए मध्य प्रदेश' की भी है. इस समय मध्य प्रदेश भारत का एकमात्र ऐसा प्रदेश है जहां पर्यटक खुले जंगल में गतिशील चीते देख सकते हैं. यह अनुभव स्वयं में इतना अद्वितीय है कि यूरोप, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया तक के पर्यटक विशेष रूप से कूनो पहुंच रहे हैं.

राज्य सरकार ने इस अवसर को पहचानते हुए पर्यटन संरचना को तेजी से उन्नत किया है, यहां आधुनिक टेंट सिटी, 'कूनो फॉरेस्ट रिट्रीट' जैसे इको-फ्रेंडली आयोजन, एडवेंचर और फोटो-सफारी के नए पैकेज, और ग्रामीण इलाकों में होमस्टे मॉड्यूल के जरिए अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित किया जा रहा है. इन सबने कूनो को सिर्फ एक पार्क नहीं, बल्कि एक अनुभव-प्रधान पर्यटन मॉडल बना दिया है. पर्यटक अब यहां वन्य जीवों के साथ स्थानीय संस्कृति, खान-पान और परंपराओं का भी समग्र अनुभव लेते हैं. कूनो में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की बढ़ती संख्या ने श्योपुर और आसपास के क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को नया जीवन दिया है.

एक अनुमान के अनुसार, पर्यटक संख्या बढ़ने से प्रदेश की इको-टूरिज्म आय में अब तक 28-32 फीसदी तक वृद्धि हुई है, और अगले पांच वर्षों में यह दोगुनी होने की संभावना है. चीतों के लिए 540 वर्ग किमी का अतिरिक्त लैंडस्केप प्रस्ताव और तेंदुओं से शावकों को बचाने के लिए विशेष निगरानी तंत्र यह दिखाता है कि सरकार पर्यटन की सफलता के साथ-साथ पारिस्थितिकी संतुलन को प्राथमिकता दे रही है. टाइगर स्टेट, लेपर्ड स्टेट और अब चीता स्टेट,यह तमगा केवल एक वन्यजीव उपलब्धि नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक दृष्टि और पर्यावरणीय प्रतिबद्धता का प्रमाण है जिसे मध्य प्रदेश वर्षों से निभा रहा है.

बहरहाल, अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि वन्यजीव संरक्षण केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्मार्ट आर्थिक और पर्यटन रणनीति भी है. कूनो की सफलता ने मध्य प्रदेश को दुनिया के सामने एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया है, जहां प्रकृति, पर्यटन और विकास एक साथ आगे बढ़ते हैं. दरअसल, मध्य प्रदेश अब केवल जंगलों का प्रदेश नहीं, बल्कि वह भूमि है जहां एक विलुप्त प्रजाति पुनर्जीवित हुई, और जहां से भारतीय पर्यटन ने दुनिया को नए सिरे से आकर्षित करना शुरू किया है.

सशक्त उपभोक्ता ही खाद्य विभाग की प्रतिबद्धता

गोविंद सिंह राजपूत

भारत के ओजस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन एवं मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने पिछले दो वर्षों में %खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता न्याय% के मूल मंत्र को चरितार्थ करने का अथक प्रयास किया है। हमारी यात्रा केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं रही है, बल्कि हमने ऐसी व्यवस्थाओं का निर्माण किया है जो पारदर्शिता, दक्षता और जन-सरोकार पर आधारित हैं। हमने प्रदेश के करोड़ों परिवारों को न केवल सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराया है, बल्कि उन्हें एक मजबूत उपभोक्ता संरक्षण कवच भी प्रदान किया है। पिछले दो वर्षों में महत्वपूर्ण उपलब्धियों, नवाचारों और दूरगामी फैसलों से मध्यप्रदेश की खाद्य वितरण और उपभोक्ता न्याय प्रणाली को एक नई दिशा दी गयी है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली का डिजिटल सशक्तिकरण राज्य की जनता के लिए एक अधिकार बन कर उभरा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली राज्य की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ है। पिछले दो वर्षों में, विभाग ने पीडीएस को भ्रष्टाचार-मुक्त और %सही हितग्राही को सही लाभ% सुनिश्चित करने के लिए अभूतपूर्व डिजिटल पहल की है।

प्रदेश के किसानों की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया है। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में 6.05 लाख किसानों से 42.4 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन कर 9,200.18 करोड़ का भुगतान किसानों को किया गया। खरीफ विपणन वर्ष 2024- 25 में 6.69 लाख किसानों से 43.52 लाख मैट्रिक टन धान का उपार्जन कर समर्थन मूल्य राशि 1001 करोड़ का भुगतान किसानों को किया गया। उपार्जन अवधि में ही 14.18 लाख मीट्रिक टन धान उपार्जन केंद्र से सीधे मिलर्स को प्रदाय कर परिवहन हैंडलिंग व्यय की बचत की गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025- 26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु 8.59 लाख किसानों का पंजीयन किया गया है, जिनसे दिसंबर 2025 से समर्थन मूल्य राशि 2369 प्रति क्विंटल की दर से धान का उपार्जन किया जाएगा। इसी तरह रवि विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर उपार्जित 48.38 लाख मीट्रिक टन गेहूं पर 6.13 लाख किसानों को 125 में प्रति क्विंटल की दर से 605 करोड़ तथा रबी विपणन वर्ष 2025- 26 में समर्थन मूल्य पर उपार्जित 77.74 लाख मीट्रिक टन गेहूं पर 9 लाख किसानों को 175 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 1360 करोड़ राज्य सरकार द्वारा बोनस का भुगतान किया गया। हमने प्रदेश के समस्त राशन उपभोक्ताओं की पहचान को प्रमाणित करने के लिए प्रदेश स्तर पर एक विशाल ई-केवाईसी अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रणाली से फर्जी और डुप्लीकेट नामों को हटाना तथा सुनिश्चित करना था कि केवल पात्र व्यक्ति ही रियायती राशन प्राप्त करें। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत पात्र परिवारों की पहचान सुनिश्चित करने माह दिसंबर 2023 से अभी तक 1.61 करोड़ हितग्रहियों के ई-केवाईसी किए गए हैं। अभी तक 92 फीसदी से अधिक हितग्राहियों की ई-केवाईसी सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी है।

(लेखक मप्र के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री हैं)

मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना से अंतिम छोर तक आपूर्ति

प्रदेशभर में खाद्यान्न की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना एक बड़ी चुनौती थी, विशेषकर पहुंच विहीन दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में। पर प्रदेश के मुखिया एवं संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की जनसेवा को चरितार्थ करने की दूरगामी सोच को साकार करते हुए विभाग द्वारा युवाओं का सशक्तिकरण और आपूर्ति में दक्षता सुनिश्चित कर मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के तहत 308 प्रदाय केंद्र से 896 वाहनों से उचित मूल्य दुकानों का खाद्यान्न जिस वक्त डिस्पैच होगा, उसी समय संबंधित उचित मूल्य दुकानों के पंजीबद्ध उपभोक्ताओं को राशन निकलने की जानकारी एसएमएस के माध्यम से उनके मोबाइल नंबर पर पहुंचेगी। ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षित युवाओं को वाहन खरीदने के लिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत 1.25 लाख प्रति वाहन अनुदान के साथ 3 प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया गया। मध्यप्रदेश सरकार की इस योजना ने दोहरे लक्ष्य साधे। एक तरफ युवाओं को स्व-रोजगार के अवसर मिले और वे उद्यमी बने। वहीं दूसरी तरफ खाद्यान्न को शासकीय गोदामों से उचित मूल्य की दुकानों तक पहुंचाने में लगने वाले समय में 30 प्रतिशत तक की कमी आई। इसने जस्ट-इन-टाइम डिलीवरी मॉडल को अपनाया, जिससे स्टॉक की कमी की समस्या समाप्त हुई। योजना में पारदर्शिता बनाए रखने एवं सतत् निगरानी के लिए सभी अन्नदूत वाहनों को जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम से लैस किया गया है, जिससे उनके रूट और डिलीवरी समय की निगरानी की जा सके। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राशन सही समय पर और सही मात्रा में दुकान तक पहुंचे।

ग्वालियर चंबल डायरी

श्योपुर और विजयपुर को कांग्रेसी वर्चस्व से मुक्त कराने में जुटे सीएम

हरीश दुबे

प्रतीत होता है कि श्योपुर जिले को कांग्रेस के वर्चस्व से बाहर निकालने और यहां फिर से भाजपा का परचम बुलंद करने के लिए सीएम मोहन यादव एवं भाजपा संगठन ने कमर कस ली है. यही वजह है कि सीएम श्योपुर जिले के लगातार दौरे कर रहे हैं. वे अभी पिछले हफ्ते ही श्योपुर आए थे, तब शहर की सड़कों पर उनका विशाल रोडशो निकला था. तब उन्होंने जिले को करोड़ों की सौगातें देने के साथ ही एक बड़ी जनसभा भी ली थी. यहां के कांग्रेसी विधायक उनके निशाने पर थे.

बहरहाल, सीएम मोहन यादव आज फिर श्योपुर में थे. हालांकि आज उनका कोई बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था और यह दौरा इंटरनेशनल चीता डे के मौके पर कूनो सेंचुरी के जंगल में तीन चीतों को रिलीज करने तक सीमित रहा लेकिन श्योपुर के लगभग सभी प्रमुख भाजपा नेताओं से उनकी मुलाकातें हुईं. जिले की विजयपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेसी विधायक मुकेश मल्होत्रा के चुनाव के खिलाफ इस सीट से छह मर्तबा विधायक रहे रामनिवास रावत ने रिट पिटीशन दाखिल कर रखी है. मामला हाईकोर्ट में है और भाजपा को बड़ी बेसब्री से कोर्ट के निर्णय का इंतजार है. यही वजह है कि श्योपुर जिले में भाजपा ने अपनी एक्टिविटी को रफ्तार दी है. कांग्रेस एलर्ट मोड पर है लेकिन मुख्यमंत्री के इस जिले में हो रहे धुंआधार दौरों और यहां की विकास योजनाओं के लिए सरकारी खजाना खोल देने से पार्टी के रणनीति प्रबंधक परेशान भी नजर आ रहे हैं. दरअसल, आदिवासी बाहुल्य सीट विजयपुर कांग्रेसी मिजाज की सीट रही है. 1990 से अब तक यहां नौ बार विधानसभा चुनाव हुए जिसमें कांग्रेस सात बार विजयी रही तो भाजपा सिर्फ दो बार.

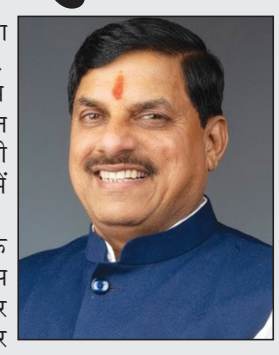

दिग्विजय और मोहन यादव की सरकारों में प्रभावशाली मंत्री रहने के साथ कांग्रेस के टिकट पर छह बार विधायक रहे रामनिवास रावत जब पहली बार भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े तो पराजित हो गए.श्योपुर विधानसभा सीट के मामले में कुछ अलग परिदृश्य उभरता है. कह सकते हैं कि यहां कांग्रेस और भाजपा के बीच बराबरी की टक्कर रही है. 1990 के बाद से अब तक 8 विधानसभा चुनाव हो चुके हैं, जिसमें 4 बार यह सीट बीजेपी के कब्जे में रही तो 4 ही बार कांग्रेस विजयी रही. 2013 के चुनाव में बसपा के टिकट पर लड़कर दूसरे नंबर पर रहे बाबू जंडेल को कांग्रेस ने अपने में मिला लिया और 18 तथा 23 के चुनाव में उन्होंने यहां लगातार कांग्रेस का परचम फहराया. मुख्यमंत्री के दौरों का मकसद इन दोनों सीटों पर भाजपा की वापसी के लिए जमीन तैयार करना माना जा रहा है.

चंबल में सक्रियता बनाए हुए हैं शिवराज

करीब दो दशक तक सूबे का नेतृत्व करने वाले शिवराज सिंह चौहान भी ग्वालियर चंबल अंचल से अपना लगाव निरंतर बनाए हुए हैं. इस क्षेत्र में उनकी सक्रियता बनी हुई है. शुक्रवार को एक बार फिर वे अंचल के दौरे पर आ रहे हैं. पहले ग्वालियर में सरकारी कार्यक्रम और फिर भिंड में अपनों से मेल मुलाकात. शाम को फिर ग्वालियर वापसी और रात तक समर्थकों के सुख दुख में आना जाना. लंबे समय तक सीएम रहते शिवराज ने ग्वालियर में समर्थकों की अच्छी खासी तादाद बनाई थी.

सिंधिया को भुला नहीं पा रहे नाथ

उधर कांग्रेस में एक बार फिर कमलनाथ की सक्रियता से पार्टी में हलचल है. नाथ ने पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं को भोपाल में अपने निवास पर रात्रिभोज दिया तो कयासों का नया सिलसिला शुरू हो गया. ग्वालियर से विधायक सतीश सिकरवार समेत तमाम नेता इस भोज में शिरकत करने पहुंचे. सिंधिया नाथ और हाथ का साथ पांच साल पहले ही छोड़ चुके हैं लेकिन लगता है कि नाथ अपना तख्ता पलट करने वाले ग्वालियर के छत्रप को भुला नहीं पा रहे हैं. बीते रोज विधानसभा भवन में नाथ की कैलाश विजयवर्गीय से मुलाकात हुई तो नाथ उनसे यही पूछते रहे कि आपके सिंधिया कैसे हैं. विजयवर्गीय का जवाब था, सिंधिया हमारे हैं, स्वस्थ और सक्रिय हैं....

संचार साथी अब बाध्यकारी नहीं

साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने और स्पैम कॉल पर नियंत्रण लगाने के उद्देश्य से सरकार ने सभी मोबाइल फोन निर्माताओं को आदेश दिया है कि वह स्वदेश निर्मित या विदेश में बने हर नए हैंडसेट में बिक्री से पहले ही संचार साथी एप लगाएं. सरकार का अनिवार्य निर्देश है कि उपयोगकर्ता भी इस एप को डिलीट कर पाने में समर्थ नहीं होंगे. यह सभी मोबाइल फोन का स्थायी फीचर होगा. इससे लोगों में आशंका बढ़ चली है कि क्या उन पर निगरानी रखने और प्राइवेसी में हस्तक्षेप करने के लिए ऐसा किया जा रहा है? इस वर्ष जनवरी में शुरू किया गया संचार साथी एप यूजर को किसी कॉल, एसएमएस या वाट्सएप जैसे प्लेटफार्म के जरिए धोखाधड़ी के संदेश या मोबाइल खो जाने या चोरी हो जाने की रिपोर्ट करने के लिए है. इससे बैंक व वित्तीय संस्थाओं का विवरण भी चेक किया जा सकता है. अगस्त तक यह 50,00,000 डाउनलोड को पार कर चुका था. सरकार के अनुसार इसके जरिए 37.28 लाख गुमे या चोरी किए गए मोबाइल ब्लॉक किए गए. जब इस एप से प्राइवेसी का उल्लंघन होने का मुद्दा उठाकर विरोध किया गया तो केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि

जनता को साइबर क्राइम के बारे में सतर्क करना बेहतर उपाय है. सरकार का मानना है कि संचार साथी एप के अनिवार्य होने से ब्लैक मार्केट में नकली फोन आने पर रोक लगेगी.

यह एप्स ऐच्छिक है और यूजर चाहें तो इसे डिलीट कर सकते हैं. देश में लाखों मोबाइल यूजर्स डिजीलॉकर व डिजीयात्रा का इस्तेमाल करने लगे हैं लेकिन इसमें उपयोगकर्ता की सहमति मांगी जाती है. यदि मोबाइल में पहले से संचार साथी एप लगा है तो उसे डिलीट करने के बाद भी डिजिटल डस्ट बाकी रहने की आशंका रह जाती है. भारत में बड़े पैमाने पर फोन मैन्युफैक्चरिंग व असेंबलिंग हो रही है. एपल के लगभग 20 प्रतिशत आई फोन यहां तैयार होते हैं. लोगों की राय है कि मोबाइल फोन में पहले से संचार साथी एप न डाला जाए. उन्हें आशंका है कि इससे उनका डेटा एक्सेस किया जा सकता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

रेणुका चौधरी ने गजब किया संसद परिसर में लाईं कुत्ता

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, विपक्ष के कुछ नेता कभी-कभी अजीबोगरीब हरकत करते हैं. सांसद रेणुका चौधरी संसद परिसर में एक स्ट्रीट डॉग अर्थातआवारा कुत्ता लेकर पहुंचीं. सिक्योरिटी वालों ने उन्हें नहीं रोका. कुत्ता उनकी कार के भीतर ही रहा. हमें बताइए कि रेणुका कैसी डॉग लवर हैं, जो कुत्ते को संसद तक ले गईं?'

हमने कहा, 'आप संसद की बात कर रहे हैं जबकि धर्मराज युधिष्ठिर अपने वफादार कुत्ते को स्वर्ग तक साथ ले गए थे और वहां के पहरेदारों से साफ कह दिया था कि बगैर कुत्ते के मैं स्वर्ग में नहीं जाऊंगा. इसे कहते हैं कुत्ता प्रेम! आप दत्त जयंती पर भगवान दत्तात्रेय का चित्र या प्रतिमा देखिए, उनके साथ 4 कुत्ते और 1 गाय दिखेगी. भैरव का वाहन कुत्ता है. बड़े लोगों के घर की नेम प्लेट के नीचे पट्टी लगी रहती है, जिसमें लिखा होता है- कुत्ते से सावधान या बिवेयर ऑफ डॉग!'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, हम विदेशी ब्रीड के श्वान या हाउंड की बात नहीं कर रहे बल्कि लावारिस स्ट्रीट डॉग

की बात कर रहे हैं जिसे रेणुका चौधरी बड़े प्रेम से अपने साथ ले गई. मेनका हों या रेणुका, सबका उद्देश्य जीवदया होता है. 'पीटा' नामक संस्था इन प्राणियों के संरक्षण के पक्ष में है. ताजा खबर है कि बंगाल के नवद्वीप की स्वरूपनगर रेल कॉलोनी में एक लावारिस नवजात शिशु की आवारा कुत्तों के झुंड ने आसपास घेरा बनाकर रक्षा की. जब सुबह राधा भौमिक नामक सहृदय महिला वहां पहुंची तभी कुत्ते हटे. उस महिला ने उस शिशु को अस्पताल पहुंचाया. इससे पता चलता है कि कुत्तों में भी इंसानियत होती है.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, आप देसी कुत्तों का पक्ष ले सकते हैं जो सड़क पर जीवन संघर्ष करते हुए रहते हैं. उन्हें खाना, पानी या आसरा कहां मिलेगा, इसका ठिकाना नहीं रहता. उन्हें स्वावलंबी बनकर इसकी खोज करनी पड़ती है. इसके विपरीत धनवान लोगों के बंगले में रोटव्हीलर या पिटबुल जैसे खूंखार कुत्ते पाले जाते हैं जो किसी पर भी जानलेवा हमला कर सकते हैं. यदि विदेशी नस्ल का कुत्ता पालने का इतना ही शौक है तो गोल्डन रिट्रीवर या लेब्राडोर पालो और हर महीने उसके डॉग फूड, शैम्पू, विटामिन, स्पेशल केयर आदि पर 10,000 रुपए खर्च करो. खर्च बचाना हो तो देसी कुत्ता पालो. वह भी उतना ही वफादार होता है.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12101

- डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं

1. आम का रस 4. ब्राम्हणों की एक उपाधि, त्रिवेदी 6. मुर्दा जलाना, जलन, ताप 7. कसावट, बल, अर्क, आसव 8. अचानक, सहसा (उर्दू) 11. ईसाई धर्म (रोमन कैथोलिक) का प्रधान आचार्य 13. संवाददाता, रिपोर्ट लिखने वाला व्यक्ति (अं.) 16. स्वर्ग में रहने वाला अमर प्राणी, सुर, देव प्रतिमा 17. एक प्रकार का हरा साग, पालनकर्ता 19. वाद्य यंत्र, सजाने अथवा कसने की सामग्री (उर्दू) 20. भारी, महत्वावाला (उर्दू) 23. सखी, सहेली (सं.) 24. गुलामी, परतंत्रता (सं.)

ऊपर से नीचे

1. ऋण अथवा धन आदि चुकता करने की क्रिया (उर्दू) 2. गंध, बास 3. वक्त, काल, अवसर, फुरसत (सं.) 4. तीन वस्तुओं का समूह (सं.) 5. विदेश यात्रा के लिए सरकार द्वारा दिया गया अधिकार पत्र, पार-पत्र (अं.) 9. शक्ति, सामर्थ्य 10. गणेश (सं.) 12. खाने-पीने आदि का संयम, पथ्य (उर्दू) 14. पौत्र, बेटे का बेटा 15. मछली-चिड़िया आदि फंसाने के लिए तार या सूत का बना हुआ पट 17. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को सोना बनाता है 18. मोटा छिलका या आवरण, लोहे का वह आवरण जो युद्ध के समय योद्धा पहनते थे 19. लंबी टांगों वाला एक पक्षी 21. सुनहरे तारों से बना कपड़ा, करचोवी, सोने के तारों का काम (उर्दू) 22. पिता का पिता, बड़ा भाई

Solution 12100

ब	ला	त्		स		था	जा
हा	ल		क	हा	व	त	
दु		ह	म	रा	ज		ठी
र	ख	वा	ला		न	म	क
	जा	ला		पी		सा	
स	ना	त	न		गु	ला	ब
मू			सी	व	न		हा
ल	बा	ल	ब		ना	च	ना

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में मित्र अथवा व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा. स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा. शासन से लाभ प्राप्त होगा. वर्ष के मध्य में शत्रु वर्ग प्रबल रहेगा. भोग विलास में धन व्यय होगा. मित्रों का सहयोग रहेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. वर्ष के अन्त में व्यर्थ वाद विवाद से बचने का प्रयास करें. यात्रा में कष्ट होगा. शारीरिक चिन्ता और मानसिक कष्ट होगा. पारिवारिक परेशानी में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा. भोग विलास में धन व्यय होगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को स्वजनों से मतभेद हो सकता है. मान सम्मान के प्रति सतर्क रहें. कर्क राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता में संलग्नता रहेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को नौकरी में परेशानी के बाद लाभ प्राप्त होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को मनोवांछित सफलता के योग है. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के योग है.

मेष- मामूली बात पर कहा सुनी हो सकती है, अधिक भरोसे में कार्य करना अच्छा नहीं है, व्यवसाय के स्वरूप में परिवर्तन होगा, शत्रुओं के कारण दौड़धूप बढ़ेगी.

वृषभ- नए काम की रूपरेखा बनेगी, अधिकारियों का सहयोग न मिलने से परेशानी होगी, बौद्धिक क्षमता अस्थिरता दूर होगी, मित्रों से बैचारिक मतभेद होगा.

मिथुन- हौसले के बल पर कठिन कार्यों में सफलता मिलेगी, सुख समृद्धि में अभिवृद्धि होगी, मित्रों सेसहयोग प्राप्त रहेगा, वाहन चलाते समय सावधानी बांछनीय.

कर्क- जो लोग आपसे नाराज चल रहे हैं, उनका अच्छा सहयोग मिलेगा, लाभ प्राप्त होगा, अनायास विवाद की स्थिति से बचने की कोशिश करें.

सिंह- मानसिक तनाव व आलस्य से छुटकारा मिलेगा, दूसरों के मामले में दखल न दें, आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा, पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी.

कन्या- भावनात्मक संबंधों में चल रहे गतिरोध से निराशा होगी, दैनिक कार्यों में नियमितता आयेगी, स्वास्थ्य सुखद एवं उत्साहवर्धक रहेगा.

तुला- आपको नई जिम्मेदारी संभालना पडेगी, आपसी सहयोग में कमी होगी, व्यवसाय में अधिक प्रयास करने से सफलता मिलेगी, मित्रों कुटुम्बियों से विवाद होगा.

वृश्चिक- श्रेष्ठजनों की सहायता से भाग्योदय का अवसर मिलेगा, महत्वपूर्ण कार्यों में यश प्राप्त होगा, सुख समृद्धि में वृद्धि होगी, कार्य योजना पूर्ण होगी.

धनु- शुभ समाचार मिलने का योग है, रूका पैसा मिलने से प्रसन्नता होगी, नौकरी संबंधी प्रयासों के लिये दिन अनुकूल एवं शुभ रहेगा, मित्रता उपयोगी रहेगी.

मकर- गलतियां सुधारकर आगे बढ़े, सफलता की राह आसान बनेगी, धार्मिक कार्यों की पूर्ति होगी, सुख एवं वैभव की वस्तुओं की प्राप्ति होगी, योजनाओं का विस्तार होगा.

कुम्भ- नए संपर्कों का लाभ मिलेगा, धार्मिक यात्रा का योग है, स्त्री संतान के प्रति चिन्ता रहेगी, पारिवारिक सुख में कमी आयेगी.

मीन- कानूनी मसले सुलझेंगे, लेनदेन के मामले में अवरोध आ सकता है, कामकाज के प्रति अरूचि रहेगी, आलस्य को त्यागें, व्यवसायिक समस्या का समाधान होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक महत्वाकांक्षी, दार्शनिक, विनम्र भाव का होगा, कला साहित्य लेखन एवं मनोरंजन में रूचि रहेगी, जन्म स्थान से दूर भाग्योदय होगा. यात्रा इनके लिये सदैव लाभकारी रहेगी. इनके मित्रों की संख्या सीमित होगी. सम्पादन के कार्य में सफलता मिलेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

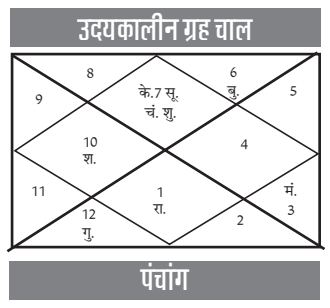

पंचांग

रा.मि. 14 संवत् 2082 पौष कृष्ण प्रतिपदा भुगुवासरे रात 3/0, रोहिणी नक्षत्रे दिन 1/26, सिद्ध योगे दिन 10/6, बालव करणे सू.उ. 6/45, सू.अ. 5/15, चन्द्रचार वृषभ रात 12/39 से मिथुन, शु.रा. 2, 4, 5, 8, 9, 12 अ.रा. 3, 6, 7, 10, 11, 1 शुभांक- 4, 6, 0.

व्यापार भविष्य

पौष कृष्ण प्रतिपदा को रोहिणी नक्षत्र के प्रभाव से कपास, सूत, में मंदी के बाद तेजी का रूख बना रहेगा. तिल, तेल, अरंडी, लोहा, तांबा, पीतल, सरसों, के भाव में स्थिति सामान्य रहेगी. भाग्यांक 3987 है.

SUDOKU 7233

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7232

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4